परियोजना का नामः— माननीय मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 584/2012 के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र धारचूला में नारायण आश्रम से पस्ती जयकोट मोटर मार्ग का निर्माण कार्य। (लम्बाई 5.000 किमी0)

प्रस्तावित कार्य हेतु वनभूमि की मांग का पूर्ण औचित्य

उक्त मोटर मार्ग द्वारा ग्राम सोसा जीमाफी (जयकोट) को मोटर मार्ग से जोड़ा जाना प्रस्तावित था। जिसमें लगभग 1020 जनसंख्या निवास करती है। वर्तमान में ग्राम सोसा जिसका तोक नारायण आश्रम एवं नयंन के 35 परिवार एवं जयकोट के तोक पस्ती 50 परिवार पी0एम0जी0एस0वाई0 के द्वारा निर्मित मोटर मार्ग से नही जुड़ी है, पस्ती एवं नयन तोक ग्राम पी0एम0जी0एस0वाई0 के द्वारा निर्मित मोटर मार्ग से लगभग 2.00 किमी0 दूरी पर स्थित होने के कारण मोटर मार्ग से वंचित है, प्रस्तावित मोटर मार्ग निर्माण से उक्त ग्रामों के लगभग 85 परिवारों को मोटर मार्ग की सुविधा प्राप्त होगी, साथ ही साथ प्रस्तावित मोटर मार्ग से ग्राम सोसा एवं जयकोट को दोहरी संयोजकता प्राप्त होगी, तथा व्यास घाटी एवं चौदास घाटी को परस्पर संयोजकता प्राप्त होगी।

यह क्षेत्र मोटर मार्ग से जुड़ा हुआ नहीं होने के कारण पिछड़ा हुआ है। ग्रामीणों का मुख्य व्यवसाय खेती बाड़ी एवं भेड़पालन है। अपने उत्पादों को बाजार तक पहुचाने में ग्रामीणो को पहाड़ के फिसलन भरे रास्तों से जाने आने में प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस क्षेत्र के प्रमुख ऊपज राजमा, धान व जड़ी बूटियां है जिन्हें बाजार में अच्छे दाम प्राप्त होते है, किन्तु मोटर मार्ग के अभाव में यह संभव नहीं हो पा रहा है।

इस मार्ग में आ रही न्यूनतम वनभूमि 2.1107 है0 के हस्तान्तरण हेतु यह प्रस्ताव गठित किया जा रहा है। विस्तृत सर्वेक्षण के उपरान्त प्रस्तावित संरेखन के अलावा अन्य कोई सरलतम मार्ग नहीं होने के कारण इस संरेखन के अलावा अन्य किसी संरेखन में इससे कम वनभूमि एवं कम वृक्ष नहीं आ रहे है। मोटर मार्ग की कुल चौड़ाई 9.00 मी0 ली गई है एवं 9.00 मी0 में वृक्षो की गणना की गई है। मोटर मार्ग का भूगर्भीय सर्वेक्षण कर लिया गया है एवं उनके द्वारा मोटर मार्ग बनाया जाना उचित माना गया है। इस मार्ग में कोई ऐतिहासिक भवन, राष्ट्रीय संरक्षित क्षेत्र, धार्मिक भवन एवं कब्रिस्तान नहीं पड़ रहे है।

उक्त परिप्रेक्ष्य में क्षेत्रीय जनता की सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति हेतु इस मोटर मार्ग का बनाया जाना अतिआवश्यक है। अतः कुल 2.1107 है0 वनभूमि प्रत्यावर्तन के लिए यह प्रस्ताव स्वीकृति हेतु प्रस्तुत है।

क्षेत्रीय वनाधिकारी,
पिथौरागढ़ वन प्रभाग, पिथौरागढ़

इं0 जी0 सी0 भट्ट
सहायक अभियन्ता
लो0 नि0 वि0 धारचूला

इं. वी. के. सिन्हा
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0 नि0 वि0
अस्कोट (पिथौरागढ़)

वन क्षेत्राधिकारी
धारचूला

E:\Amin PD JOSHI\Latter.doc